सरदारशहर में रहा सात महीनों का प्रवास

आचार्य महाश्रमण का मंगल भावना समारोह आज

सरदारशहर 20 नवज़्बर, 2010

आचार्य महाश्रमण सरदारशहर में सात महीनों के लज़्बे प्रवास के बाद 22 नवज़्बर को विहार करेंगे। इस उपलक्ष में आचार्य महाप्रज्ञ चातुर्मास व्यवस्था समिति के द्वारा 21 नवज़्बर की प्रात: 9.30 बजे तेरापंथ भवन में मंगल भावना समारोह का आयोजन किया जाएगा। इस सन्दर्भ की जानकारी देते हुए समिति के महामंत्री रतन दुगड़ ने बताया कि आचार्य महाश्रमण के इस चातुर्मास में राष्ट्रीय अन्तर्राष्ट्रीय अनेक कार्यक्रम आयोजित हुए हैं। सरदारशहर का नाम सात समुन्दर पार भी चर्चा में आया है। लाखों लोगों ने यहां आकर धरती की आध्यात्मिक शक्ति का अहसास किया है, अब सात महीने का चातुर्मास संपन्न कर 22 नवज़्बर को आचार्य महाश्रमण, साध्वी प्रमुखा कनकप्रभा सभी साधु-साध्वियों के साथ विहार करेंगे। इससे पूर्व मंगल भावना समारोह आयोजित किया जाएगा। इस समारोह में तेरापंथ सभा, तेरापंथ युवक परिषद, तेरापंथ महिला मण्डल, तेरापंथ कन्या मण्डल, तेरापंथ किशोर मण्डल, गांधी विद्या मन्दिर, स्थानीय विधायक अशोक पींचा एवं सर्व समाज की तरफ से आचार्य महाश्रमण की आगामी यात्रा के लिए मंगल भावना की जायेगी।

तेरापंथी सभा द्वारा सज़्मान समारोह आयोजित

आचार्य महाश्रमण के सान्निध्य में जैन श्वेताज़्बर तेरापंथ सभा द्वारा विशिष्ट व्यक्तियों एवं उल्लेखनीय सेवाएं देने वालों का सज़्मान समारोह आयोजित किया गया। सभा के अध्यक्ष अशोक नाहटा ने आचार्य महाश्रमण का चातुर्मास सफलतापूर्वक सज़्पन्न कराने के महत्वपूर्ण योगदान देने वाले आचार्य महाप्रज्ञ चातुर्मास व्यवस्था समिति के अध्यक्ष सुमतिचन्द गोठी एवं स्वागताध्यक्ष बिमलकुमार नाहटा, महामंत्री रतन दुगड़ (एफसीए) का मोमेंटो द्वारा सज़्मान किया गया।

चैनरूप चिण्डालिया, मूलचन्द विकास कुमार मालू की तरफ से संजय पुगलिया, सुजानमल दुगड़, जितेन्द्र नाहटा, राजकरन सिरोहिया, बाबुलाल बोथरा, संतोषकुमार सुरेन्द्र दुगड़, पोकरमल बुच्चा, सज़्पतमल नाहटा, शुभकरण बरड़िया, स्वरूपचन्द बरड़िया, रिद्धकरण अजयकुमार आंचलिया,रतनलाल दज़्तरी, डूंगरमल छाजेड़, विजयकुमार रतनलाल दुगड़ को स्थानीय सभा के उपाध्यक्ष पीरदान बरमेचा, मंत्री करणीदान चिण्डालिया, कोषाध्यक्ष चज़्पालाल भंसाली, सहमंत्री चैनरूप दुगड़, तेजकरण भंसाली व प्रभासी रास्ता सेवा के बजरंगलाल श्यामसुखा ने मोमेंटो द्वारा सज़्मान किया।

– शीतल बरड़िया